ISSN 0972-5539

मीना समाचार
MEENA News
भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का प्रकाशन
A PUBLICATION OF FISHERY SURVEY OF INDIA

Vol. XXXIV No.4 Mumbai अक्टूबर- दिसंबर 2017

I. अनुसंधान क्षेत्र से:

ए) अंडमान एवं निकोबार जल के समीप लाँग लाइन गियर में दुर्लभ गहरे समुद्री रे की हूकिंग

पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन,* एक मल्टीफिलमेंट टूना लाँग लाइनर, अक्तूबर 2017 क्रूस के दौरान अंडमान समुद्र के पूर्वी भाग में समन्वेषी सर्वेक्षण संचालित करते समय अक्षांश 11°31.4' उ/देशांतर 92° 56.3 पू में 560 मी गहराई में दो गहरे समुद्री स्टिंग रे हूक की गई । गहरे समुद्री स्टिंग्रे के नमूने को *प्लेसियोबेटिस डविएसी* (कुटुंब: प्लेसियोबेटिडे) (चित्र ।) के रुप में पहचाना गया था । यह ऊपरी महाव्दीपीय ढलान पर इंडो पैसिफिक क्षेत्र में व्यापक रुप से पाया जाता है और इसकी विशेषता नूकीले त्रिकोणीय स्नाउट, अंडाकार पेक्टोरल पंख एवं संकरा काँटे के साथ एक पत्ती के आकार के कॉडल फिन की उपस्थिति है। नमूने का वजन 15 कि. ग्रा था और कुल लंबाई 2200 मी. थी । क्लैस्पर के कैलसीकरण के आकार और विस्तार से यह प्रतीत होता है कि हूक किया गया नमूना परिपक्व था । आंत्र अंतर्वस्तु में पचा हुआ टेलियोस्ट और स्क्विड शामिल थे ।

स्टिंग्रे का दूसरा नमूना विशाल डेविल रे मोबुलिडे परिवार के *मोबुला मोबुलर* था जो कि अक्षांश 16°19.32'उ/देशांतर 93°67'पू के क्षेत्र से पकडा गया । विशाल डेविल रे एक अत्यधिक मोबाइल एपिपेलेजिक है, बडे जूप्लंकिटिवोरस रे पर्युष्ण वैश्विक रुप से अटलांटिक, पेसिफिक और हिंद महासागर के गर्म समशीतोष्ण जल के भीतर पाया जाता है । (व्हाइट एवं अन्य, 2006) नमूने की पृष्ठीय सतह हल्का कंधे, सफेद पेट, पृष्ठीय पंख पर सफेद नोक के साथ नीली काली पट्टी थी । व्हाईट और अन्य (2006) ने रिपोर्ट किया था कि नर *एम मोबुलर* के लिए परिपक्वता का आकार डिस्क चौडाई के 2050 और 2100 मि. मी. के बीच है और मादा लगभग 2070 मी. मी डिस्क चौडाई में परिपक्व होता है। इस रिपोर्ट में अध्ययन किया गया नमूना 3210 मि.मी. कुल लंबाई और 2200 मि. मी. डिस्क चौडाई और 75 कि. ग्रा. वजन के साथ एक परिपक्व मादा थी। नमुने का आंत खाली पाया गया ।

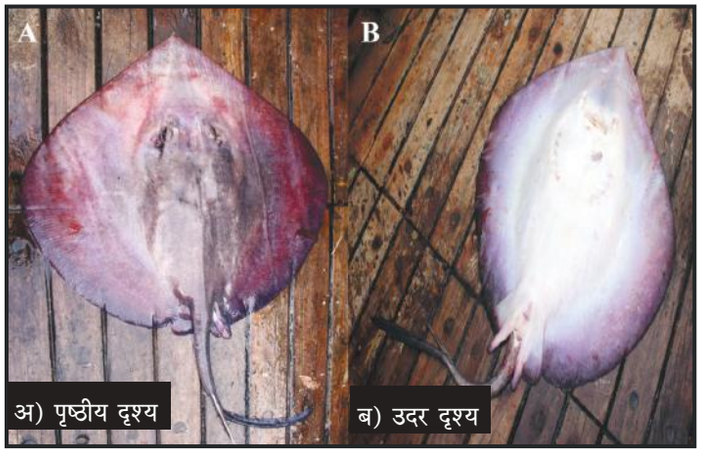

आकृति 1 *प्लेसियोबेटिस डविएसी*

आकृति 2 *मोबुला मोबुलर*

(श्री नशद एम, व. वैज्ञानिक सहायक, पोर्ट ब्लेयर बेस द्वारा सूचित)

बी) कर्नाटक तट से दूर एलियन जेली फिश का रिकार्ड

पोत *एम एफ वी सागरिका* द्वारा नवंबर 2017 के सर्वेक्षण क्रूस के दौरान अक्षांश 13°-14° उ के क्षेत्र से सिफिड स्काइफोजोन का एक झुंड, एक एलियन जेली फिश दर्ज की गई । 700 किलोग्राम झुंड की एक बडी मात्रा अक्षांश 13° 12.1 उ/देशांतर 74° 33.1 पू के क्षेत्र में 34 मी गहराई में एकल हॉल में दर्ज की गई । गलिल और जरस्विन, 2010 (स्काइफोजोआ: रिजोस्टोमिए- सेफिडे) ने प्रजाति को अपनी विशेष एवं उल्लेखनीय आकृति विज्ञान व्दारा *मेरिवेगिया स्टेल्लाटा* के रुप में पहचाना गया है । संग्रहित नमूने का छत्र डायमीटर और गीला वजन 13.0 से 18.0 से. मी. और 400-850 ग्रा क्रमश: रहा ।

आकृति विज्ञान: *मेरिवेगिया स्टेल्लाटा* एक पारदर्शी नीली सफेद समुद्री जेली फिश है, एक्सुम्ब्रेल्ला सतह में सेंट्रल डोम, मस्सा या गुमटा की कमी, लाल सितारे, बिंदु और एक्सुम्ब्रेल्ला के मध्य में क्लस्टर में विशिष्ट पैटर्न के साथ अलंकृत है । गलिल और जरस्विन, 2010 ने इस प्रजाति को पहली बार मेडिटेरेनियन समुद्र से पहचान किया । *मरिवेगिया स्टेल्लाटा* का प्रथम नमूना विषिंजम, केरल, भारत (अक्षांश 08° 22' उ/देशांतर 76° 59' पू) के समुद्र तट में सीफीड स्काइपोजोन्स की एक झुंड 8 जून 2017 को देखा गया (लेकिन एकत्र नहीं किया) हालांकि प्रारंभिक रुप से मेडिट्टरेनियन जल से एक गैर देशी प्रजातियों के रुप में पहचाना गया है, यह प्रजातियाँ हिंद महासागर के मूल निवासी है ।

(श्री राजू एस नागपूरे और श्री सोली सोलमण, व. वैज्ञानिक सहायक, मुरगांव बेस द्वारा सूचित)

सी) सिंधुदुर्ग तट से *प्रोटोनिबिया डयकेंथस* (ब्लैक स्पोट्ड क्रोकट) की भारी पकड दर्ज हुई ।

दिसंबर 2017 माह के दौरान भा मा स के मुरगांव बेस से जुडे पोत एम एफ वी *सागरिका* (ओ ए एल 28.8 मी, स्टर्न ट्रॉलर) ने अक्षांश 15° उ से 19° उ के बीच भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के उत्तर पश्चिम तट में तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधन सर्वेक्षण का संचालन किया । क्रूस के दौरान, 27.5 मी. फिश ट्रॉल की 63 मी. गहराई में प्रचालित किया गया, अक्षांश 16°20.2'उ और देशांतर 0.73° 01.4 पू के क्षेत्र से एकल हॉल में *प्रोटोनीबीया डायकैन्थस* (काला धब्बेदार क्रोकर) की भारी पकड दर्ज की गई और इसका वजन लगभग 800 कि. ग्रा था । उसी हॉल में, लगभग 38 कि. ग्रा. वजन का अन्य समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के साथ 300 कि. ग्रा वजन का रेड स्नेप्पर भी दर्ज की गई ।

(श्री राहुलकुमार बी टेलर, व. वैज्ञानिक सहायक, भा मा स (मुख्यालय) द्वारा सूचित)

डी) मुंबई तट से दूर किशोर स्पाईनीचीक ग्रूपर की प्राप्ति दर्ज की गई।

दिसंबर 2017 माह के दौरान, भा मा स के मुरगांव बेस से जुडे पोत *एम एफ वी सागरिका* (ओ ए एल 288 मी, स्टर्न ट्रॉलर) ने अक्षांश 15°उ - 19°उ के बीच भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के उत्तर पश्चिम तट में तलमज्जी मात्स्यिकी संसाधनों का सर्वेक्षण किया । क्रूस के दौरान 27.5 मी. फिश ट्रॉल को 46 मी. गहराई में प्रचालित किया गया, अक्षांश 19° 34.6' उ/देशांतर 0.71° 42.0' पू के क्षेत्र से एकल हॉल में *एपिनेफेलस डायकेंथस* (स्पाइनि चीक ग्रूपर) की किशोर पकड दर्ज की गई । इसकी लंबाई 9.8-19.1 से. मी. के आसपास रही और वजन लगभग 700 कि. ग्रा. रहा । उसी हॉल में, अन्य प्रजाति अर्थात् *नेमिप्टेरस रैंडली* अन्य समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के साथ देखी गई जिसका वजन लगभग 28.5 कि. ग्रा. था ।

(श्री राहुलकुमार बी टेलर, व. वैज्ञानिक सहायक, भा मा स (मुख्यालय) द्वारा सूचित)

।।. बहिर्गमन एवं प्रशिक्षण:

ए) भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के बेस कार्यालयों द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला

चेन्नई बेस

चेन्नई बेस ने स्थानीय मछुआरों के हित के लिए 27.10.2010 को कारैक्कल, पुदुच्चेरी संघ शासित क्षेत्र में ''तमिलनाडु एवं पुदुच्चेरी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों'' पर एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की ।

कार्यशाला, तमिलनाडु और पुदुच्चेरी तट से दूर उपलब्ध समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर सूचना का प्रसार करने हेतु समीपस्थ गाँव अर्थात् अक्कमपेट्टाइ, कलिलुप्पम, कारैक्कल मेडु, करुक्काला चेरी, कीज़कसकुडिमुडु, किलिंजल मेडु, कोट्टुच्चेरी मेडु, मंडपत्तूर, उत्तर वंजोर और पटिनाचेरी के स्थानीय मछुआरों के हितार्थ आयोजित की गई । कार्यशाला का उद्घाटन श्री राजेन्द्रन, मात्स्यिकी सहायक निदेशक, पुदुच्चेरी सरकार द्वारा किया गया । श्री ए टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, भा मा स का चेन्नई बेस ने मुख्य भाषण दिया और कार्यशाला का उद्देश्य, भा मा स का संगठनात्मक व्यवस्था और भारतीय जल

में संभाव्य महासागरीय टूना संसाधनों के संबंध में जानकारी दी । तकनीकी सत्र के दौरान बेस कार्यालय के वैज्ञानिक ने तमिलनाडु और पुदुच्चेरी तट से समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों की उपलब्धता, वितरण पर सूचना, टूना संसाधनो की बहुतायत, और मत्स्यन नावों पर विशेष रुप से स्वच्छतापूर्वक मछली को विशेषकर टूना को संभालने के संबंध में व्याख्यान दिया । श्री एस. बालचंदर, मात्स्यिकी उपनिरीक्षक, कारैक्कल द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया ।

पोर्ट ब्लेयर बेस

पोर्ट ब्लेयर बेस ने कैंपबेल के स्थानीय मछुआरा समुदाय को समुद्री संसाधनों के संरक्षण के महत्व और मात्स्यिकी संसाधनों के अनुकूलतम उपयोग, बहुतायत महासागरीय संसाधनों के और पेर्च संसाधनों के शोषण हेतु विभिन्न पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियों, मात्स्यिकी संसाधनों, उसकी संभाव्यता और उपलब्धता पर सूचना का प्रसार करने हेतु कैंप बेल बे ग्रेट निकोबार व्दीप में 27.11.2017 को निकोबार जल के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के स्थायी उपयोग (सुमाफिन - 2017) पर 27.11.2017 को एक दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की । श्री रंजीत कुमार सिंह, डेनिक्स, सहायक आयुक्त, कैंप बेल ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और समारोह की अध्यक्षता श्री रोसलिया कुल्लु, प्रधान, राजीव नगर, कैंपबेल बे ने की । डॉ. सिजो पी. वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक (ओ आई सी), भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर बेस ने अपने प्रमुख

भाषण में भा मा स की गतिविधियों और अधिदेश के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी । तकनीकी सत्र के दौरान भा मा स के वैज्ञानिकों एवं अभियंताओं ने इंजनों की खराबी, इंधन संरक्षण और समुद्र में सुरक्षा, विद्युत उपकरणों के रखरखाव और निकोबार व्दीप के समुद्री मात्सिकी संसाधनों जैसी विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिया ।

बी) भा मा स के बेस द्वारा आयोजित ओपन हाउस

चेन्नई बेस

चेन्नई बेस ने 27.10.2017 को कारैक्कल, पुदुच्चेरी में एक ऑपन हाउस आयोजित किया । स्थान पर मात्स्यिकी चार्ट, मछलियों के फोटोग्राफ, गियर मॉडल, गियर सामान और जीवन बचत उपकरण प्रदर्शित किया गया ।

समीपस्थ ग्राम अर्थात् अक्कमपेट्टाई, कलिलुप्पम, कारैक्कल मेंडु, करुक्काला चेरि, कीज़कसकुडिमुडू, किलिंजल मेडु, कोट्टुच्चेरी मेडु,, मंडपन्तूर, उत्तर वंजोर और पटिनचेरी से मछुआरा सहित लगभग 120 प्रतिभागियों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

मुरगांव बेस

मुरगांव बेस ने प्राणी विज्ञान में अध्ययन और अनुसंधान विभाग, टुमकूर विश्वविद्यालय, कर्नाटक के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए उनके अध्ययन दौरा के हिस्से के रुप में 30.10.2017 को एक दिवसीय "ओपन हाउस एवं समुद्री प्रदर्शनी" आयोजित की । कुल 41 छात्रों और 3 संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।

कर्नाटक विश्वविद्यालय, समुद्री जीव विज्ञान में अध्ययन विभाग, कोडिबाग, कारवार, कर्नाटक के छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए 17.11.2017 को एक दिवसीय "ओपन हाउस एवं समुद्री प्रदर्शनी" आयोजित की गई । कुल 22 छात्रों एवं 3 संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया । कार्यक्रम के दौरान, भा मा स की गतिविधियों, गोवा एवं कर्नाटक तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधन और पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणलियों के संबंध में पॉवर पोयिटं प्रस्तुतीकरण के जरिए छात्रों को परिचित कराया गया । बेस में एक प्रदर्शनी, भा मा स के वृत्तचित्र फिल्मों की स्क्रीनिंग की व्यवस्था भी की गई ।

पोर्ट ब्लेयर बेस

पोर्ट ब्लेयर बेस ने कैंप बेल बे, ग्रेट निकोबार व्दीप में 26-27 नवंबर 2017 के दौरान स्कूल और कॉलेज के छात्रों, मछुआरों, आम जनता के हित के लिए पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* पर एक ओपन हाउस आयोजित किया । इस अवसर पर विभिन्न फिशिंग गियर और सामान, नौचालन एवं अभियांत्रिकी और समुद्र वैज्ञानिक उपकरणों, समुद्र में सुरक्षा पर विभिन्न पहलुओं और उत्तरदायी मात्स्यिकी के लिए आचार संहिता इत्यादि प्रदर्शित किया गया । ओपन हाउस का उद्घाटन प्रिंसिपल, सरकारी सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, कैंपबेल बे द्वारा किया गया ।

कैंपबेल बे बन्दरगाह की गोदी में पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* का स्कूल, कॉलेज के छात्रों और मछुआरों और स्थानीय नागरिक ने दौरा किया। स्वोर्ड फिश *(जिफियास ग्लेडियस)* जैसी महासागरीय मात्स्यिकी संसाधन, पेलाजिक थ्रेशर शार्क (*अलोपियस पेलाजिकस*), ग्रे शार्प नोस शार्क *(रिज़ोप्रियोन ओडोनोलिगोलिंक्स*), डोलफिन फिश (*कोरिफेना हिप्पुरस)*, ब्लीकर ग्रूपर (*एपिनेफेलेस ब्लीकेरी*), कोरल ग्रूपर (*सेफेलोफोलिस मिनियेटा*) और ब्लेक टिप ग्रूपर (*एपिनेफेलस फासिएटस*) कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शित किया गया ।

सी) भा मा स के बेस द्वारा आयोजित प्रदर्शनी

मुरगांव बेस

भा मा स के मुरगांव बेस ने मात्स्यिकी निदेशालय, गोवा सरकार द्वारा 07.12.2017 से 10.12.2017 तक एस ए जी कंपाल ग्राऊंड, पणजी, गोवा में आयोजित अक्वा गोवा मेगा मछली उत्सव, 2017 में भाग लिया । कार्यक्रम के दौरान, भा मा स स्टॉल लगाया गया और भा मा स की गतिविधियों, समुद्री मात्स्यिकी संसाधन, फिशिंग गियर मॉडल आदि प्रदर्शित किया गया ।

गहन समुद्री मत्स्यन पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम

चेन्नई बेस

अक्तूबर 2017 माह के दौरान चेन्नई बेस ने पोत *एम एफ वी मत्स्य दृष्टि* पर पाँच तमिलनाडु मछुआरों को 10-14 अक्तूबर 2017 के दौरान "ट्रूना

लाँग लाइनिंग पर क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण" पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया । कार्यक्रम एन एफ डी बी द्वारा निधीकृत किया गया और सिफनेट, चेन्नई के साथ संयुक्त रुप से आयोजित किया गया । माह में पोत 5 दिनों के लिए समुद्र से बाहर था और 3 दिनों के लिए मत्स्यन परिचालन संचालित किया । यह अक्षांश 13° उ/देशांतर 80° पू में उत्तर पूर्वी तट में 1890 हूक्स का परिचालन किया । समुद्री यात्रा के दौरान कुल 33 कि. ग्रा. मछली हूक की गई। बेस के वैज्ञानिको ने टूना मत्स्यन और प्रसंस्करण से संबंधित विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया ।

तमिलनाडु मछुआरों के दो बैच के लिए नवंबर माह के दौरान विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया गया । कुल 10 मछुआरों को पोत *एम एफ वी मत्स्य दृष्टि* पर 10-14 नवंबर 2017 के बीच एक बैच और 21-24 नवंबर 2017 के बीच दूसरा बैच को प्रशिक्षण दिया गया । बेस के वैज्ञानिकों ने प्रशिक्षार्थियों को टूना मत्स्यन और संरक्षण से संबंधित विविध विषयों पर व्याख्यान दिया । पोत 20 दिनों के लिए समुद्र से बाहर था और 09 दिनों के लिए मत्स्यन किया । पोत द्वारा उत्तर पूर्वी तट में अक्षांश 12° और 13° उ/ देशांतर 80° पू में 5390 हूक्स परिचालिति किया गया । क्रूस के दौरान कुल 824 कि. ग्रा मछली पकड दर्ज की गई ।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिपादित विषय टूना संसाधन, उसके वितरण और व्यवहार, अन्य महासागरीय मात्स्यिकी संसाधन, मोनोफिलमेंट लाँग लाइनिंग, डेक, उपकरण, टूना मत्स्य खोजी, और संरक्षण, नौचालन उपकरणों के अतिरिक्त, प्रशिक्षण के दौरान प्रतिपादित अन्य विषय मछली खोजना, पोत की सुरक्षा एवं संचार थे ।

पोर्ट ब्लेयर बेस

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण का पोर्ट ब्लेयर बेस ने पोत *एम एफ वी ब्लू मार्लिन* पर पर्यावरण अनुकूल मत्स्यन प्रणालियों पर व्यक्तिगत प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु 26 नवंबर 2017 को कैंपबेल बे, ग्रेट निकोबार जिला में एक दिवसीय प्रदर्शन मत्स्यन यात्रा आयोजित की गई । श्री अब्दुल अरीफ, मात्स्यिकी निरीक्षक, कैंप बेल बे के साथ पोत पर 4 आदिवासी सहित 23 स्थानीय मछुआरों को पोत पर ले जाया गया ।

मछुआरों को व्यक्तिगत रुप से इलेक्ट्रोनिक मछली खोजी के परिचालन, महासागरीय, नौचालन, समुद्री सुरक्षा और अन्य संचार उपकरण जिसमें ओटोमेटिक मौसम स्टेशन, राडार, ई पी आइ आर बी, आर टी, वी एच एफ, जी पी एस, रेडिओं बुयास और समुद्री इंजन आदि शामिल है । मत्स्यन परिचालन के दौरान, मछुआरों को मछली पकडने के स्थान को कैसे ढूँढे, गियर परिनियोजन की दिशा, मछली परिचालन करते समय पोत की वांछित गति, चारा की हूकिंग, लाइन की शूटिंग आदि पर प्रशिक्षित किए गए । जब गियर पुन: प्राप्त करने पर, उनको हॉलिंग, मुख्य ब्रांच लाइन की कोयलिंग, पोत पर मछली पकड को संभालने के दौरान की जाने वाली सावधानी, पोत पर मछली पकड को संभालना और मछली पकड का भंडारण पर प्रशिक्षित किया गया ।

भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र के संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुनर्वैधीकरण पर बैठक

भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ई ई जेड) के संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों के पुनवैधीकरण के लिए समिति की प्रथम बैठक 04.11.2017 को भा मा स, मुख्यालय में श्री एम. के. फरेज़िया, महानिदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता में संपन्न हुई । विविध संगठन अर्थात् पशुपालन डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग (डी ए डी एफ), केंद्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सी एम एफ आर आई, समुद्री जीवित संसाधन और परिस्थितिकी केंद्र (सी एम एल आर ई), राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान (एन आई ओ), राष्ट्रीय महासागरिय प्रौद्योगिकी संस्थान (एन आई ओ टी), प्राणी विज्ञान सर्वेक्षण (जेड एस आई) और भा मा से के सदस्यों ने बैठक में भाग लिया । पुनवैधीकरण समिति की प्रथम बैठक में पुनवैधीकरण रिपोर्ट के विश्लेषण एवं प्रारुपण के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई । डाटा का स्त्रोत, विचारणीय डेटा की कालावधि, संग्रहित डेटा के विश्लेषण, गहराईवार/क्षेत्रवार/राज्यवार, तटवार पर आधारित संसाधनों के अनुमान/अनुपालन किए जाने वाले मानक प्रणालियों के मामलों पर भी चर्चा की गई ।

विश्व मात्स्यिकी दिवस समारोह

पशुपालन, डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने 21 नवंबर 2017 को राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कोम्प्लेक्स

(एन ए एस सी), पूसा, नई दिल्ली में विश्व मात्स्यिकी दिवस मनाया । राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड (एन एफ डी बी), हैदराबाद ने समारोह का आयोजन किया । कार्यक्रम के एक हिस्से के रुप में, एन एफ डी बी द्वारा एक प्रदर्शनी स्थापित की गई । प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री देवेन्द्र चौधरी, आई ए एस, सचिव, पशुपालन, डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा किया गया । इस अवसर पर, श्री बी किशोर, आई ए एस, संयुक्त सचिव (मात्स्यिकी) और पशुपालन, डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग से अन्य अधिकारी उपस्थित थे । भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण ने स्टॉल लगाकर भाग लिया और संस्थानीय गतिविधियों का प्रदर्शन किया । माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय मंत्री, श्री राधा मोहन सिंह और श्रीमती कृष्णा राज, माननीय राज्य कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने स्टॉल का दौरा किया । पणधारियों, किसानों, मछुआरों और आम जनता ने आपस में बातचीत की और प्रदर्शनी में रुचि दिखाई । श्री महेश कुमार फरेज़िया, महानिदेशक (प्रभारी), भा मा स ने भा मा स स्टॉल में माननीय मंत्रियों, सचिव एवं संयुक्त सचिव (मा.) और अन्य अधिकारियों का स्वागत किया और वे भा मा स द्वारा किए गए समर्पित कार्य का मूल्यांकन किया । डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री ए. सिवा, व. वैज्ञानिक सहायक और श्री के. सिलंबरसन, व. वैज्ञानिक सहायक ने भी कार्यक्रम में भाग लिया ।

अलीबाग में अध्ययन दौरा

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली को 28.09.2017-01.10.2017 के दौरान अलीबाग, महाराष्ट्र में हुई मछली पकड़ की सामूहिक मृत्यु दर का अध्ययन करने का काम सौंपा है । डॉ संजय पाण्डेय, मात्स्यिकी सहायक आयुक्त, पशुपालन डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, भा मा स, सी एम एफ आर आई से वैज्ञानिक सहित अधिकारियों का एक टीम और राज्य मात्स्यिकी

विभाग से अन्य अधिकारियों ने नवगांव, मांडवा, अलीबाग, रायगड का दौरा किया । यह देखा गया कि पाई गई घटना प्राकृतिक थी और प्रदूषण या किसी अन्य अज्ञात कारण की वजह से नही थी। टीम ने स्थानीय मछुआरों को इस तथ्य के बारे में सूचित किया और एक विस्तृत रिपोर्ट सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेयरी एवं मात्स्यिकी विभाग, नई दिल्ली को प्रस्तुत किया है। श्री अशोक कदम, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, मुंबई बेस को भा मा स से नामांकित किया था ।

III. आगंतुकों का दौरा:

- स्कूल ऑफ एप्लाइड लाइफ सांइन्स, एम जी विश्वविद्यालय, केरल से 23 छात्रों और 2 संकाय सदस्यों ने 04.10.2017 को अध्ययन दौरे के भाग के रुप में मुरगांव बेस का दौरा किया । उनको भा मा स की गतिविधियों के संबंध में संक्षिप्त जानकारी दी गई ।

- डॉ. सिम्रनजित सिंह, उप कमांडेन्ट, तट रक्षक, पश्चिम क्षेत्र, आई सी जी एस, सम्राट ने भारत के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों पर सूचना लेने के लिए 04.10.2017 को भा मा स मुख्यालय का दौरा किया ।
- श्रीमती एस. सरोजा, पी जी टी (जीव विज्ञान), ए पी रज़िडेन्शियल स्कूल भीमुनिपटनम, आंध्र प्रदेश ने दो सहयोगियों के साथ उनके परियोजना कार्य के लिए समुद्री मात्स्यिकी संसाधन और पिंजरा पालन पर सूचना एकत्रित करने हेतु 07.10.2017 को विशाखपट्टणम बेस का दौरा किया ।
- श्री रविकांत और श्री विश्वकर्मा, मुंबई ने मछली पालन और मछली पालन में शामिल विभिन्न अभिकरणों पर जानकारी एकत्रित करने हेतु 11.10.2017 को भा मा स, (मुख्यालय) का दौरा किया । वैज्ञानिकों ने उनको भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण के अधिदेश एवं गतिविधियों के संबंध में जानकारी दी और अधिक जानकारी एकत्रित करने हेतु संबंधित संस्थान अर्थात् एम्पीडा, सीबा आदि का दौरा किया ।
- उन्नत वोकेशनल प्रशिक्षण संस्थान, कलमश्शेरी से 8 छात्रों ने पोत *एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी* पर 09.11.2017 को स्लिपवे, कर्मशाला, लाइफ रेफट सर्वीस स्टेशन का दौरा किया । उनको समुद्री अभियांत्रिकी प्रभाग (एम ई डी) की गतिविधियों के संबंध में बताया गया ।
- उन्नत वोकेशनल प्रशिक्षण संस्थान कॉलेज ऑफ फिशरीज़, रत्नागिरी, महाराष्ट्र से 28 छात्रों ने पोत *एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी* पर 09.11.2017 को स्लिपवे, कर्मशाला, लाइफ रेफट सर्वीस स्टेशन का दौरा किया । उनको समुद्री अभियांत्रिकी प्रभाग (एम ई डी) की गतिविधियों के संबंध में बताया गया ।
- सुश्री वीणा देसाई, क. अनुसंधान छात्र, प्राणी विज्ञान विभाग, आर जी रुपारेल कॉलेज, मुंबई ने सेफेलोपोड नमूनों की पहचान के लिए 10.11.2017 को भा मा स, मुख्यालय का दौरा किया ।
- मात्स्यिकी निदेशालय, गोवा सरकार से 10 मछुआरा युवक और 1 प्राध्यापक ने उनके मत्स्यन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के एक भाग के रुप में 29.11.2017 को मुरगांव बेस का दौरा किया ।
- दीपविहार, हायर सेकेण्डरी स्कूल, हेडलैंड साडा, मुरगांव के एक छात्र ने समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों और भा मा स की गतिविधियों पर सूचना एकत्रित करने हेतु 04.12.2017 को मुरगांव बेस का दौरा किया ।
- जी वी एच एस एस, कैतरम से नौचालन एवं अभियांत्रिकी प्रशिक्षण के 24 छात्रों ने 06.12.2017 को कोच्चि गोदी में सर्वेक्षण पोत एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी और एम ई डी कर्मशाला का दौरा किया।
- पोन्नेरी मात्स्यिकी कॉलेज और अनुसंधान केंद्र से 23 छात्रों एवं 1 संकाय ने 06.12.2017 को चेन्नई बेस का दौरा किया । मत्स्यन पोत और उसके परिचालन से परिचित होने के लिए संग्रहालय और विभागीय सर्वेक्षण पोत *एम एफ वी मत्स्य दृष्टि* और *एम एफ वी समुद्रिका* का दौरा किया ।
- श्री जी एस आई मूर्ति और उनके सहयोगी, चक्रवात चेतावनी केंद्र, विशाखपट्टणम ने 07.12.2017 को सी डब्ल्यू सी, विशाखपट्टणम द्वारा जारी मौसम चेतावनी पर फीडबैंक एकत्रित करने के लिए विशाखपट्टणम बेस कार्यालय का दौरा किया ।
- केरल मात्स्यिकी एवं महासागर अध्ययन विश्वविद्यालय (कुफोस), कोच्चि से 45 बी एफ एस सी छात्रों ने 08.12.2017 को कोच्चि की गोदी में पोत एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी और एम ई डी का दौरा किया ।
- आशुतोष मात्स्यिकी कॉलेज, कोलकोत्ता से 32 बी एस सी (औद्योगिक मात्स्यिकी एवं जलकृषि) छात्रों ने 13.12.2017 को विशाखपट्टणम बेस एवं पोत *एम एफ वी मत्स्य शिकारी* का दौरा किया ।
- कोच्चिन शिपयार्ड लि. कोच्चि से 10 प्रशिक्षार्थियों ने पोत में उपलब्ध मशीनरी, उपकरणों को देखने के लिए 18.12.2017 को पोत *एम एफ वी मत्स्य वर्षिनी* का दौरा किया ।
- डॉ. टी टी अजित कुमार, प्रिंसिपल वैज्ञानिक और डॉ (श्रीमती) टीना जयकुमार टी के., वैज्ञानिक, पी जी एफ जी आर, एन एम एफ जी आर, कोच्चि ने नमूना संग्रहण और पहचान दौरा के एक हिस्से के रुप में 20.12.2017 को मुरगांव बेस का दौरा किया । वे मुरगांव बेस के वैज्ञानिकों की मदद से बेस के प्रयोगशाला में क्लूपिड्स पर वर्गीकरण विज्ञान से संबंधित अध्ययन किया । इसके अतिरिक्त, बेस प्रभारी ने उनको भा मा स की गतिविधियों के बारे में बताया।
- श्री बी एस राम कृष्ण, स्टाफ रिपोर्टर, ई नाडु, विशाखपट्टणम ने 20.12.2017 को विशाखपट्टणम बेस का दौरा किया और भारत के पूर्वी तट के समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों तथा विविधीकृत मत्स्यन प्रणलियों पर सूचना एकत्रित की ।

- डॉ. बी आर होन्नंडा, सहायक प्रोफेसर, मात्स्यिकी कॉलेज, कवर्धा, छत्तीसगढ ने बी एफ एस सी (जलकृषि) के तीसरे वर्ष के 23 छात्रों के साथ 27.12.2017 को विशाखपट्टणम बेस और पोत *एम एफ वी मत्स्य शिकारी* का दौरा किया । उनको संगठनात्मक गतिविधियों तथा पोत में उपलब्ध विभिन्न नौचालन उपकरणों, मत्स्यन जाल और सहायक उपकरणों के बारे में बताया गया ।

IV. राजभाषा कार्यान्वयन:

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक:

- राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही प्रगति समीक्षा बैठक 17.11.2017 को भा मा स, मुख्यालय में संपन्न हुई । श्री महेश कुमार फरेज़िया, महानिदेशक (प्रभारी) ने बैठक की अध्यक्षता की। समिति ने सभी अनुभागों की तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की और कमियां बताई और उसके निराकरण हेतु सुझाव दिए ।
- कोच्चिन बेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक 22.12.2018 को कोच्चिन बेस में संपन्न हुई ।
- चेन्नई बेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही समीक्षा बैठक श्री ए. टिबूरशियस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक की अध्यक्षता में 07.11.2017 को हुई ।
- विशाखपट्टणम बेस की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही समीक्षा बैठक 21.12.2017 को हुई । डॉ रीटा त्रिवेदी, प्रभारी अधिकारी, हिन्दी शिक्षण योजना, विशाखपट्टणम समीक्षा अधिकारी थी । बेस की गतिविधियों की समीक्षा करते समय, उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन की ओर किए गए प्रयास की सराहना की ।
- राजभाषा कार्यान्वयन के रुप में, पोर्ट ब्लेयर की तिमाही की समीक्षा पोर्ट ब्लेयर की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 16 दिसंबर 2017 को हुई बैठक में की गई ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक:

- श्री डी के गुलाटी, क्षेत्रीय निदेशक, कोच्चिन बेस और श्रीमती लीना टी पी, क. अनुवादक ने 08.11.2017 को कोच्चिन टोलिक की बैठक में भाग लिया जिसमें बेस कार्यालय को 2016-17 के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन के लिए प्रथम पुरस्कर प्राप्त हुआ ।

- श्री महेश कुमार फरेज़िया, महानिदेशक (प्रभारी), भा मा स और श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव, क. अनुवादक ने 25.10.2017 को पश्चिम रेल्वे (मुख्यालय) चर्चगेट, मुंबई में हुई नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में भाग लिया ।
- कोच्चिन बेस ने कोच्चिन टोलिक द्वारा 20.11.2017 से 24.11.2017 तक आयोजित संयुक्त हिंदी सप्ताह समारोह में भाग लिया । श्रीमती आर श्रीप्रिया, एम टी एस. और श्री के सी जोशी, बेस के समुद्री इलेक्ट्रिशियन ने इस अवधि में संचालित हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पुरस्कार प्राप्त किया ।
- श्री एम. गोविंद राव, आर टी ओ ने डिविज़नल रेल्वे प्रबंधक कार्यालय, विशाखपट्टणम में 31.10.2017 को संपन्न 68 वी टोलिक बैठक में भाग लिया ।

भा मा स, मुख्यालय एवं बेस कार्यालय द्वारा आयोजित हिंदी कार्यशाला

कर्मचारी सदस्यों को हिंदी में कार्य करने हेतु हिंदी का ज्ञान अद्यतन करने के लिए 12.12.2017 को एक दिवसीय हिंदी कार्याशाला भा मा स, मुख्यालय में आयोजित की गई । श्री विनोद कुमार शर्मा, सहायक निदेशक, हिंदी शिक्षण योजना, नवी मुंबई विषय विशेषज्ञ था । उन्होंने "हिंदी लिखते समय सामान्य भूलों को कैसे सुधार किया जाए" विषय पर व्याख्यान दिया । कुल मिलाकर 17 कर्मचारी सदस्य कार्यशाला में सक्रिय रुप से भाग लिया ।

मुंबई बेस ने 24.11.2017 को "कार्यालयीन कामकाज़ में हिंदी का प्रयोग" पर एक हिंदी कार्यशाला आयोजित की । इस अवसर पर डॉ. सुशील कुमार शर्मा, उप महानिदेशक (प्रबंधक), पश्चिम रेल्वे मुख्यालय, चर्चगेट, मुंबई मुख्य अतिथि रहे । कार्यशाला में मुंबई बेस से सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया ।

मुरगांव बेस ने 21.12.2017 को यूनिकोड और हिंदी टूल्स पर एक हिंदी कार्यशाला आयोजित की । श्री सतीश एकनाथ धुरी, हिंदी अधिकारी, कोंकण रेल्वे, मुरगांव इस अवसर पर वक्ता थे । अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यशाला में सक्रिय रुप से भाग लिया । श्री एस के जायस्वाल, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने सभी का स्वागत किया और दैनंदिन सरकारी कार्य में और स्वयं उपयोग के लिए ज्ञान का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया ।

भा मा स के कोच्चिन बेस में 21.12. 2017 को हिंदी कार्यशाला आयोजित की जिसमें श्री के विजयकुमार, उप निदेशक, कार्यान्वयन (सेवानिवृत्त) ने टिप्पणी एवं प्रारुप लेखन के संदर्भ में हिंदी व्याकरण की कक्षा चलाई । कुल 15 कर्मचारियों ने कार्यशाला में भाग लिया ।

एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला 22.12.2018 को विशाखपट्टणम बेस में आयोजित की गई । श्री उपेन्द्र कुमार पट्रो, व. हिंदी अनुवादक, ईर्स्टन नेवल कमांड मुख्यालय, विशाखापट्टणम विषय विशेषज्ञ रहे । उन्होंने "संसदीय समिति की राजभाषा निरीक्षण के विभिन्न पहलुओं और निरीक्षण प्रश्नावली भरने हेतु प्रक्रियाओं" पर व्याख्यान दिया ।

पोर्ट ब्लेयर बेस ने 27 दिसंबर 2017 को पोर्ट ब्लेयर बेस के सम्मेलन ह़ॉल में हिंदी कार्यशाला आयोजित की । सुश्री बनिता बेहरा, हिंदी संपर्क अधिकारी, कार्यालय प्रमुख (सी डी), भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण, पोर्ट ब्लेयर विषय विशेषज्ञ रही । "राजभाषा कार्यान्वयन में प्रयुक्त सूचना प्रौद्योगिकी टूलों की सहायता" पर व्याख्यान एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण विषय विशेषज्ञ द्वारा दिया गया ।

V) महानिदेशक (प्रभारी) का बैठकों/सम्मेलनों में भागीदारी

- कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली में दिनांक 11.10.2017 को आयोजित परम्परागत मछुआरों हेतु जलयान पर टूना को सम्भालने और गहरे समुद्री मत्स्यन में क्षमता निर्माण व मछुआरों का विशेष प्रशिक्षण पर बैठक में भाग लिया ।
- भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, (मुख्यालय), मुंबई के सम्मेलन कक्ष में दिनांक 04.11.2017 को भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में संभाव्य मात्स्यिकी संसाधनों की पुर्नवैधीकरण हेतु विशेषज्ञ समिति के गठन की प्रथम बैठक ।
- कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली में दिनांक 13-14 नवंबर 2017 के दौरान "स्वच्छता अभियान रोड मैप" पर बैठक ।
- कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, एन ए एस सी कोम्प्लेक्स पूसा, नई दिल्ली में दि. 21.11. 2017 को आयोजित विश्व मात्स्यिकी दिवस आयोजन ।
- सी एस आई आर -एन आई ओ, क्षेत्रीय केन्द्र - मुंबई में दिनांक 22.12.2017 को "प्रभावी तटीय क्षेत्र प्रबन्ध हेतु रणनीती" पर परामर्शदात्री बैठक ।

VI) प्रशिक्षण/संगोष्ठी/कार्यशाला/परिसंवाद/बैठकों सम्मेलनों में भागीदारी

- डॉ. एच डी प्रदीप, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने दि. 04.10.2017 को सचिवालय, गोवा में माननीय मात्स्यिकी मंत्री, गोवा सरकार की अध्यक्षता में "एल इ डी प्रकाश मत्स्यन" पर बैठक/कार्यशाला में भाग लिया ।
- श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने दि. 9-13 अक्टूबर 2017 के दौरान हिन्दी शिक्षण योजना, स्वर्ण जयन्ती भवन, विशाखपट्टणम में "कम्प्यूटर में हिन्दी में कार्य" पर आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया ।
- श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता ने दि. 14.10.2017 को मात्स्यिकी विभाग के विकसित क्रिया कलापों के अन्तर्गत नूतन निर्मित मत्स्यन बोट का निरीक्षण में भाग लिया ।
- श्री स्वप्निल एस शिर्के, व. वैज्ञानिक सहायक और श्री प्रत्युष दास, क. मत्स्यन गियर प्रौद्योगिकीविद् ने दि. 20.10.2017 को पोंडिचेरी विश्वविद्यालय, ब्रूक्शबाद में श्री विटोपन मालाकर, पी एच डी शोध छात्र का सार्वजनिक मौखिक परीक्षा में भाग लिया । शोध का विषय "दक्षिण अण्डमान के उथले चट्टानों में बेन्थिक सवर्स्ट्रेट्स- क्रस्टोज कोरलाइन शैवाल (सी सी ए) मैक्रोएल्गल और कोरल की अन्तर क्रिया और समुद्री चट्टान मछली विविधता पर उनके प्रभाव" था ।
- श्री एन उन्नीकृष्णन, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने दि. 23.10.2017 को एम्पीडा, कोच्चि में 'मत्स्यन बोटों' पर आर टी सेट और इन्सुलेटेड मछली भण्डार का स्थापन हेतु वित्तीय सहायता की सिफारिश के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक में भाग लिया ।
- श्री स्वप्निल एस शिर्के, व. वैज्ञानिक सहायक ने श्री एस राजेश कुमार, पी एच डी शोध छात्र का अंतिम पी एच डी जैविक परीक्षा दिनांक 27.10.2017 को भारतीय प्राणी सर्वेक्षण ऑडिटोरियम में भारत ग्रेट निकोबार व्दीप समूह से मकाका फैसीकुलारीस, मिलर 1902) इन्डेमिक की जैव अर्थशास्त्र पर भाग लिया ।
- डॉ. सिजो पी वर्गीस व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने दि. 03.11.2017 को सचिवालय, अण्डमान एवं निकोबार प्रशासन के मिनी समाचार में सचिव की अध्यक्षता में अण्डमान एवं निकोबार व्दीप समूह के प्रादेशिक जल में तलमज्जी ट्रॉलिंग गियर के उपयोग पर रोक विषय पर चर्चा करने हेतु बैठक में भाग लिया ।
- डॉ ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री के सिलाम्बरासन, व. वैज्ञानिक सहायक ने दि. 14.11.2017 को केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान,

विशाखपट्टणम द्वारा आयोजित उत्तम ट्रॉलिगं प्रथाओं हेतु सामूहिक चर्चा के माध्यम से आकड़ा संग्रहण हेतु राष्ट्रीय स्तर प्रदर्शन कार्यशाला में भाग लिया ।

- डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने दि. 14.11.2017 को राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, (एन आई ओ) गोवा में सुम परियोजना पर बैठक में भाग लिया ।
- डॉ सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने सरकारी विभाग, एन सी यू आई परियोजना नाबार्ड के साथ संयुक्त रुप से आयोजित हानिकारक और आर्थिक रुप से कमज़ोर वर्ग के लिए सरकारी समितियों का एक कार्यक्रम में 18.11.2017 को मुनसिपल कम्यूनिटी हॉल, डेरी फार्म, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान एवं निकोबार व्दीप में भाग लिया और कार्यक्रम के लिए मुख्य भाषण दिया ।
- श्री पी तमिलरसन, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 21.11.2017 को ले मेरिडियन, कोच्चि में 11वाँ भारतीय मात्स्यिकी एवं जलकृषि फॉरम के उद्घाटन समारोह में भाग लिया ।
- डॉ. एस रामचंद्रन, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 23.11.2017 को होटल ले-मेरिडियन, कोच्चि में सम्मेलन हॉल शनि-।। में बंगाल की खाडी में अत्यंत प्रवासी मछली प्रजातियों के प्रबंधन पर क्षेत्रीय वार्तालाप पर बैठक में भाग लिया ।
- श्री के गोविंद राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने नील क्रान्ति गहन समुद्री मत्स्यन के लिए सहायता- बंगाल की खाडी की मात्स्यिकी संभाव्यता पर 28.11.2017 को सचिवालय, वेलगापुडी, आंध्र प्रदेश में समीक्षा बैठक में भाग लिया।
- श्री के गोविंद राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री एन. जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री एस के पटनायक, व. वैज्ञानिक सहायक ने केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र, विशाखपट्टणम में 02.12.2017 को गहन समुद्री मत्स्यन नीति पर हुई बैठक में भाग लिया ।
- डॉ हर्ष वर्धन डी. जोशी, व. वैज्ञानिक सहायक ने 4-13 दिसंबर 2017 के दौरान सी आई एफ ई, मुंबई में संपन्न मात्स्यिकी में उन्नत नैनों टैकनोलजी पर सी ए एफ टी प्रशिक्षण में भाग लिया ।
- श्री धर्मवीर सिंह, यांत्रिक समुद्री अभियंता, ने आई टी आई के सम्मेलन हॉल, डोलिगंज, अंडमान एवं निकोबार व्दीप में 06.12.2017 को पोत नेविगेटर और समुद्री फिटर क्राफ्टसमेन प्रशिक्षण स्कीम (सी टी एस) के व्यापार हेतु पाठ्यक्रम कैरिकुलम को अंतिम रुप देने के लिए व्यापार समिति की बैठक में भाग लिया ।
- श्रीमती लीना टी पी., क. अनुवादक ने विशाखपट्टणम में 08.12.2017 को आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया ।
- श्री के गोविंद राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री एन जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री एम गोविंद राव, रेडिओ टेलिफोन ऑपरेटर ने राजभाषा विभाग, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय इस्पात निगम लि., विशाखपट्टणम के बहुउद्देश हॉल में 08.12.2017 को आयोजित दक्षिण और दक्षिण पश्चिम क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया ।
- श्री के गोविंद राज, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक, डॉ. ए बी कर, मात्स्यिकी वैज्ञानिक, श्री एन जगन्नाथ, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक और श्री जी वी ए प्रसाद, क. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मात्स्यिकी आयुक्त, आन्ध्र प्रदेश सरकार द्वारा 14.12.2017 और 15.12.2017 को सिफनेट, विशाखपट्टणम में "बंगाल की खाडी के गहन समुद्री मात्स्यिकी संसाधनों के शोषण" विषय पर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी (डी पी आर) पर आयोजित कार्यशाला में भाग लिया ।
- श्री पी. तमिलरासन, मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने 15.12.2017 को सी आई एफ टी, कोच्चि में "भारत के चयनित गिल जाल और ट्रेम्मल जाल मात्स्यिकी से खाद्य की हानि का निर्धारण" पर आयोजित राष्ट्रीय पणधारियों की कार्यशाला में भाग लिया ।
- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने मात्स्यिकी विभाग, अंडमान एवं निकोबार प्रशासन, पोर्ट ब्लेयर में 20.12.2017 को ए एफ डी ओ पद के चयन के लिए साक्षात्कार बोर्ड के एक पैनल सदस्य के रुप में सेवा की ।
- श्री शाहनवाज़, क. अनुवादक ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टोलिक) द्वारा सी आई ए आर आई, पोर्ट ब्लेयर में 23.12.2017 को संसदीय राजभाषा समिति निरीक्षण से संबंधित प्रश्नावली भरने के समय होने वाली समस्याओं का हल पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला में भाग लिया ।
- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने अंडमान वाटर स्पोर्टस कोम्प्लेक्स, अबरद्दीन बाज़ार में 26.12.2017 को सुनामी के 13 वीं वर्षगांठ की प्रार्थना सभा में भाग लिया ।
- डॉ. सिजो पी वर्गीस, व. मात्स्यिकी वैज्ञानिक ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा स्वतंत्र भारत के प्रथम झंडा आरोहण की स्मृति में 30.12.2017 को नेताजी स्टेडियम, पोर्ट ब्लेयर पर ध्वजारोहण समारोह में भाग लिया ।

VII. प्रशासनिक समाचार

पदोन्नति/स्थानांतरण

- डॉ. एम के सिन्हा, क मात्स्यिकी वैज्ञानिक को राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड, हैदराबाद में व. कार्यपालक के पद में प्रतिनियुक्ति पर चयन होने पर भा मा स से दिनांक 09.10.2017 को भारमुक्त किया ।

सेवा निवृत्तियाँ

- श्री एम माधवराज, व. नाविक एवं कुक, चेन्नई बेस, स्वैच्छिक रुप से 05.10.2017 को सेवानिवृत्त हुए ।
- श्री उपेंद्र कुमार, क. नाविक का विशाखपट्टणम बेस सीमाशुल्क आयुक्त के कार्यालय (निवारक) कोलकता, पश्चिम बंगाल में स्किप्पर के पद

में चयन होने पर दिनांक 09.10.2017 (अपराह) को भा मा स से भारमुक्त किया ।

- श्री जी. शंकर राव, फिटर, विशाखपट्टणम बेस अधिवर्षिता पर 31.10.2017 को सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हुए ।
- श्रीमती ममता रानी हलदार, बहु कार्मिक कर्मचारी, पोर्ट ब्लेयर बेस अधिवर्षिता पर 30.11.2017 को सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हुए ।

"सतर्कता जागरुकता सप्ताह"

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय एवं क्षेत्रीय बेस कार्यालयों द्वारा 30 अक्तूबर - 4 नवंबर 2017 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह आयोजित किया गया । भा मा स., मुख्यालय में "मेरा लक्ष्य- भ्रष्ट्राचार मुक्त भारत" विषय पर कार्यालय परिसर में बैनर का प्रदर्शन किया गया । भा मा स के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा हिंदी और अंग्रेजी में प्रतिज्ञा के साथ सप्ताह का आयोजन शुरु किया । महानिदेशक (प्रभारी) ने सत्यनिष्टा को बनाये रखने की आवश्यकता पर जोर दिया और संस्थान की सभी गतिविधियों में पारदर्शिता

सुनिश्चित करने की सलाह दी । इस अवसर पर 1 नवंबर 2017 को मेरा- लक्ष्य भ्रष्ट्राचार मुक्त भारत विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई । एक कार्यशाला 3 नवंबर 2017 को भी आयोजित की गई । डॉ. नितिनलता वामन, सहायक प्रोफेसर, टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशियल सायन्स, सम्मानीय अतिथि रही और उन्होंने मेरा लक्ष्य- भ्रष्ट्राचार मुक्त भारत पर भाषण दिया ।

भा मा स का मुंबई बेस ने 30.10.2017 से 04.11.2017 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया । 30.10.2017 को 11.00 बजे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा एक सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा लिया गया । बेस में सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने 30.10.2017 & 31.10.2017 को वैयक्तिक ऑनलाइन सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा (ई-प्रतिज्ञा) भी लिया । चर्चगेट रेल्वे स्टेशन एवं छत्रपती शिवाजी महाराज टर्मिनल रेल्वे स्टेशन पर 02.11.2017 एवं 03.11.2017 को क्रमश: एक संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहाँ आम जनता के लिए अस्थायी ई-प्रतिज्ञा कियोस्क, हैडआउट और प्लकार्ड उपलब्ध कराए गए । समापन दिवस (04.11.2017) पर बेस कार्यालय के कर्मचारियों के परिवार के लिए ऑन लाइन- इ - प्रतिज्ञा की व्यवस्था की गई ।

सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सर्तकता संवेदीकरण कार्यक्रम में सक्रिय रुप से भाग लिया ।

मुरगांव बेस ने 30.10.2017 से 04.11.2017 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया । इस संबंध में बेस कार्यालय ने 30.10.2017 को कर्मचारी सदस्यों में "मेरा लक्ष्य - भ्रष्ट्राचार मुक्त भारत" विषय पर एक कार्यशाला एवं वादविवाद आयोजित किया ।

चेन्नई बेस ने 30.10.2017 से 04.11.2017 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया । जागरुकता सप्ताह के दौरान छात्रों एवं भा मा स के कर्मचारी सदस्यों के लिए "मेरा लक्ष्य- भ्रष्ट्राचार मुक्त भारत" विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई ।

विशाखपट्टणम बेस ने 30 अक्तूबर - 4 नवंबर 2017 के दौरान सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया । इस अवसर पर बेस के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने 30.10.2017 को प्रतिज्ञा लिया ।

पोर्ट ब्लेयर ने विविध कार्यक्रम आयोजित कर 30 अक्तूबर 2017 से 4 नवंबर 2017 तक की अवधि के दौरान सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन किया । सप्ताह के उद्घाटन समारोह के दौरान 30.10.2017 को कर्मचारियों ने सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा लिया । सतर्कता के संबंध में स्कूल एवं कॉलेज के छात्रों को संवेदित करने हेतु बाहरी गतिविधियों के रुप में अंडमान लॉ कॉलेज के छात्रों के लिए एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया । अंडमान

लॉ कॉलेज के हॉल में 03 नवंबर 2017 को "मेरा लक्ष्य भ्रष्ट्राचार मुक्त भारत" विषय पर भाषण, क्विज़ सहित विविध प्रतियोगिताएं आयोजित की गई । श्री बी साइगल, डेनिप्स, पुलिस उप अधीक्षक (सी आई डी एवं भ्रष्ट्राचार विरोधी), अंडमान एवं निकोबार व्दीप ने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किया ।

सांप्रदायिक सौहार्द्र सप्ताह

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, मुख्यालय एवं बेस कार्यालय ने 19-25 नवंबर 2017 की अवधि के दौरान सांप्रदायिक सौहार्द्र अभियान सप्ताह का आयोजन किया । भा मा स, मुख्यालय में 26.11.2017 को ध्वज दिन पर सांप्रदायिक सौहार्द्र पर एक कार्यशाला आयोजित की गई । सांप्रदायिक सौहार्द्र विषय पर अतिथि वक्ता के रुप में प्रोफेसर (डॉ.) नांदिनी देशमुख को आमंत्रित किया गया । सभी अधिकारियों एवं कर्मचारी सदस्यों ने उक्त कार्यशाला में भाग लिया और अतिथि वक्ता के भाषण से लाभान्वित हुए । अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सांप्रदायिक सौहार्द्र के लिए जो बच्चे सांप्रदायिक मामले, जातीय या आतंकवादी हिंसा में अनाथ और अनाथ बन जाते है, उनके सुधार के लिए राष्ट्रीय फाउन्डेशन को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु उदारतापूर्वक योगदान दिया ।

संकलनकर्ता : श्री ए. शिवा, डॉ. राजश्री बी. सनदी और श्री राहुलकुमार बी. टेलर **संपादक** डॉ. विनोद कुमार मुडुमाला और डॉ. अंशुमान दास
हिन्दी अनुवाद: श्रीमती मीरा वेल्लेन राजीव
प्रकाशक: डॉ. एल. रामालिंगम, महानिदेशक (प्रभारी),
भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण, भारत सरकार, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, पशुपालन, डेअरी एवं मत्स्य पालन विभाग
न्यू फिशिंग जेट्टी, ससून डॉक, कुलाबा मुम्बई-400 005,
दुरभाष 022 - 2215 1865/66 **फैक्स**: 022 - 22188 221; **वेब साईट**: htttp:/fsi.gov.in; **ई-मेल**: dg-fsi-mah@gov.in